कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम, कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर (नागौर) में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर की भागीदारी दिनांक 24/2/2016

सहायक निदेशक कृषि (विस्तार), कुचामन सिटी, जिला नागौर द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र मौलासर, नागौर (कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर) में नेशनल मिशन ऑन ऑइलसीड्स एण्ड पाम (National Mission on Oilseed & Palm) के अन्तर्गत आयोजित दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर ने दिनांक 24/2/16 को भागीदारी की । कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने दिनांक 24 फरवरी, 2016 को अपने संभाषण में कृषकों को वृक्षों से प्राप्त होने वाले परोक्ष एवं अपरोक्ष परिलाभों की जानकारी देते हुए वृक्षों की महत्ता बतायी । बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग (Global Warming), जलवायु परिवर्तन (Climate Change), घटते जल स्तर इत्यादि की चर्चा करते हुए श्री चौधरी ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता भी प्रतिपादित की। उन्होंने किसानों से खेजड़ी जैसे उपयोगी वृक्षों को कृषि वानिकी में पनपाने का आह्वान किया। श्री चौधरी ने बताया कि वृक्षों से मृदा का उपजाऊपन बढ़ता है, इनसे अतिरिक्त आमदनी भी होती है तथा ये वृक्ष कार्बन पृथक्करण (Carbon Sequestration) में भी सहयोग करते है । श्री चौधरी ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान द्वारा खेजड़ी, रोहिड़ा, केर, गुग्गल इत्यादि पर किये जा रहे अनुसंधान कार्यो की भी चर्चा की ।

कार्यक्रम में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों को पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित भी किया गया। पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित शुष्क क्षेत्रों के लिए कृषि वानिकी उपज मॉडल्स, शुष्क क्षेत्रों के लिए शस्य चारागाह उपज मॉडल्स, टिब्बा स्थिरीकरण मे

सतही वनस्पतियों का उपयोग, नमक प्रभावित बंजर भूमि का विकास आदि विषयों की जानकारी भी श्री चौधरी द्वारा दी गयी ।

इसके अलावा रोहिड़ा (*Tecomella undulata*), कुमट (*Acacia senegal*), नीम (*Azadirachta indica*), खारा जाल(*Salvadora persica*), खेजड़ी (*Prosopis cinereria),* रूद्राक्ष (*Eleocarpus ganitrus*), अमलतास (*Cassia fistula*), बादाम (*Terminalia catappa*), अर्जुन (*Terminalia arjuna*), बेलपत्र (*Aegle marmelos*), सेमल (*Bombax ceiba*), एवं शीशम (*Dalbergia sisoo*), के वृक्षों का रूट ट्रेनर बाक्स एवं काली तुलसी एवं कपूर तुलसी (*Ocimum species*),अश्वगंधा (*Withania somnifera*), हड्डी जोड (*Cissus quadrangularis*),जीवंति (*Laptadinia reticulata*), चिरमी (*Abrus precatorius*), मरवा (*Origanum majorana*), भृंगराज(*Eclipta alba*), हारसिंगार(*Nyctanthes arbor-tristis*), अडूसा (*Adhatoda vasica*), सतावर (*Asparagus racemosus*), गुडमार (*Gymnema sylvestre*), नरगूंडी (*Vitex negundo*), गिलॉय (*Tinospora*

cordifolia), सफेद मूसली (*Chlorophylum borivillianum*) इत्यादि औषधियों पादपों का भी प्रदर्शन कर कार्यक्रम में जानकारी दी गयी ।

वनोत्पाद की जानकारी कराने हेतु गुग्गल(*Commiphora wightii*), कुमट (*Acacia senegal*),, देशी बबूल(*Acacia nilotica*), के गोंद, सफेद मूसली (*Chlorophylum borivillianum*), अश्वगंधा(*Withania somnifera*), सतावरी (*Asparagus racemosus*) की जड़ें, करंज(*Pongamia pinnata)* और नीम(*Azadirachta indica*) के तेल, सोनामुखी (*Cassia angustifolia*) के पत्ते, रतनजोत (*Jatropha curcas*) एवं सोनामुखी के बीज को भी प्रदर्शित किया गया ।

संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों, तकनीकों को दर्शाने वाली सूचना पुस्तिका सहित, मॉडल नर्सरी की स्थापना, कृषि वानिकी के विविध लाभ के फोल्डर तथा विभिन्न वृक्ष प्रजातियों तथा औषधीय पौधों के बारे में विवरण एवं उनके कृषिकरण तथा लगाने की विधि इत्यादि की सूचना देते हुए अश्वगंधा(*Withania somnifera*),खेजड़ी(*Prosopis cinereria),*रोहिड़ा(*Tecomella undulata*),फोग(*Calligonum polygonoides),* कैर(*Capparis decidua),गुग्गल(Commiphora wightii*),सर्पगंधा(*Rauwolfia serpentina*), गिलॉय (*Tinospora cordifolia*) इत्यादि के पर्चे भी वितरित किये गये ।

पोस्टर एवं विभिन्न उत्पादों,पत्रक इत्यादि की प्रदर्शनी लगाने इत्यादि कार्यो में श्री तेजाराम का सहयोग रहा ।

दैनिक भास्कर 25/02/2016

कृषि प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

किसानों को शुष्क क्षेत्रों में कृषि की उन्नत तकनीक की दी जानकारी

मौलासर| धनकोली रोड स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर बुधवार को दो दिवसीय एमएनओपी योजना के तहत कृषि प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। मुख्य वक्ता शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर के भारतीय वन सेवा के उमाराम चौधरी रहे। उन्होंने किसानों को शुष्क क्षेत्रों में जल संग्रहण एवं नमी संरक्षण, वनरोपण में सिंचाई जल प्रबंधन, शुष्क क्षेत्रों में परिष्कृत तल का उपयोग, वृक्षारोपण वृद्धि में सुधार हेतू पोषक तत्व प्रबंधन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, कृषि वानिकी मॉडल, सूक्ष्म परिवर्धन, छंगाई पर अध्ययन, लवणीय भूमि के पुनर्वास के लिए तकनीक सहित तेलीय पौधे जैसे खेजड़ी, गुगल का उत्तक, रोहिड़ा आदि के बंजर भूमि के संवर्धन सहित पर्यावरण संरक्षण हेतू विभिन्न विधियों की जानकारी दी।

प्रदर्शनी का भी आयोजन

इस मौके पर शुष्क वन अनुसंधान संस्थान में हो रहे अनुसंधान की जानकारी के लिए प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों ने रूचि दिखाई। शिविर में कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी डॉ. महेन्द्र चौधरी ने क्षेत्र में तिलहनी फसलों में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन पर जानकारी दी। कृषि विभाग के कृषि अधिकारी भंवरलाल बाजिया ने तिलहनी फसलों की जैविक खेती पर विस्तार से जानकारी दी। मानव शांति योग संस्थान के चेयरमैन रामनिवास मानव ने भी किसानों को योग के लिए प्रेरित किया तथा किसानों को खान-पान पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया। इस मौके पर किसान भागूराम खालिया, लक्ष्मणराम सोऊ, जोधाराम, चैनाराम मेघवाल सहित अनेक किसानों ने भाग लिया।